Adda247
GET IT ON Google Play

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

(Name) ____________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—0508

PAPER—III

SOCIOLOGY

Time : 2½ hours] [Maximum Marks : 200

Number of Pages in this Booklet : 40 Number of Questions in this Booklet : 26

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

Test Prime

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

70,000+ Mock Tests

Personalised Report Card

Unlimited Re-Attempt

600+ Exam Covered

Previous Year Papers

500% Refund

ATTEMPT FREE MOCK NOW

Adda247 GET IT ON Google Play

SOCIOLOGY

समाजशास्त्र

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

Adda247 GET IT ON Google Play

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है।

(5x5=25 अंक)

Indian sociologists have from time to time shifted their professional concerns and have redefined the relevance of what they did in response to changing historical forces. Studies on microcosms of social realities, such as caste, kinship, structures, marriage and family, village social structure and factional politics in village *panchayats*, and studies on tribal societies — the transition and social transformation they were going through — attracted considerable attention of professional sociologists in India till almost the mid-1960s. Macro-level processes of change set forth by colonialism, as well as by anti-imperialist national movement and by the forces of modernization — introduction of new education, an entirely new production technology and attendant value-structures also came to be studied. The problems of modern industrial society, such as poverty, slums, urban conglomerations, crime and deviance and industrial unrest as well as of youth identity and unrest also attracted considerable attention of researchers. The weaker and underprivileged sections, whether the scheduled castes, tribes, backward classes and women and their problems began to be focussed more sharply as gaps in developmental theory and practice were identified and plugged. Current interests in Indian sociology revolve around some of the neglected issues and questions in agrarian sociology, social movements, particularly protest movements, role of professions and, of course, the broader questions raised by development experience and its inextricable links with the core-periphery and dependency questions in the development debate itself.

Adda247 GET IT ON Google Play

समय-समय पर भारतीय समाजशास्त्री अपने व्यावसायिक संबंधी विचारों से परिवर्तित हुए तथा परिवर्तित ऐतिहासिक ताकतों के प्रत्युत्तर में जो कुछ उन्होंने किया उसके महत्व को पुनः पारिभाषित किया। सामाजिक यथार्थताओं के सूक्ष्म जगत के अध्ययन, जैसे कि जाति, नाते-रिश्ते, संरचना, विवाह और परिवार, ग्रामीण सामाजिक संरचना तथा ग्रामीण पंचायत में गुट राजनीति तथा जनजाति समाजों पर अध्ययन-जिस संक्रमण तथा सामाजिक रूपान्तरणों से वे गुजर रहे थे - ने लगभग 1960 के मध्य तक व्यावसायिक समाजशास्त्रियों का पर्याप्त ध्यान इनकी ओर खींचा। उपनिवेशवाद द्वारा परिवर्तन की स्थूल स्तरीय प्रक्रिया प्रस्तुत की गई तथा साथ ही, साम्राज्यवाद विरोधी राष्ट्रीय आंदोलन और आधुनिकता की ताकतों द्वारा नई शिक्षा प्रणाली का विकास, बिल्कुल नवीन उत्पादन तकनीक तथा सहवर्ती मूल्य-संरचनाओं का भी अध्ययन हुआ। आधुनिक औद्योगिक समाज की समस्याएं, जैसे कि, निर्धनता, गंदी बस्तियाँ, शहरी संघट्टीकरण, अपराध तथा विपथगमन, औद्योगिक अशांति के साथ-साथ युवा अस्मिता तथा अशांति की ओर शोधार्थियों का पर्याप्त ध्यान आकर्षित हुआ। कमजोर तथा अल्पाधिकार प्राप्त वर्ग चाहे वह अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़े वर्ग या महिलाएं और उनकी समस्याएं हो विकास सिद्धान्त एवं व्यवहार में रिक्तता के रूप में अत्यन्त तीव्रता से ध्यान केंद्रित किया जाने लगा। भारतीय समाजशास्त्र की वर्तमान रुचि कुछ उपेक्षित मुद्दों तथा कृषि भूमि समाजशास्त्र, सामाजिक आंदोलनों, विशेष रूप से, प्रतिरोध आंदोलन, व्यवसाय के भूमिका के प्रश्नों तथा विकास अनुभवों द्वारा उठाए गए विस्तृत प्रश्नों तथा उनके मूल-परिधि के साथ जटिल सम्बन्धों तथा विकास के विवादित आश्रित प्रश्नों के चारों ओर घूम रही है।

1. What are the areas of study that attracted the Indian sociologists till the mid of 1960s ?

1960 के मध्य तक भारतीय समाजशास्त्रियों को अध्ययन के किस क्षेत्र की ओर आकर्षित किया?

Adda247 GET IT ON Google Play

2. What were the bases for undertaking study on Macro-processes of change in Indian society ?

भारतीय समाज में परिवर्तन की स्थूल प्रक्रियाओं पर अध्ययन करने के क्या आधार थे ?

3. What problems have been considered by the author as gaps in developmental theory and practice ?

लेखक द्वारा विकास सिद्धान्त एवं व्यवहार की किन समस्याओं को दोनों के बीच अन्तर माना गया है ?

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

4. What are the current interests of Indian Sociologists ?

भारतीय समाजशास्त्रियों की वर्तमान रुचियाँ कौनसी हैं ?

5. Elucidate the specific problems studied by the sociologists pertaining to Modern Industrial Society.

आधुनिक औद्योगिक समाज से सम्बन्धित किन विशिष्ट समस्याओं का समाजशास्त्रियों द्वारा अध्ययन किया गया है, प्रकाश डालिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

SECTION - II

खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75 marks)

नोट : इस खंड में पाँच-पाँच (5-5) अंकों के पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच अंकों का है।

(5x15=75 अंक)

6. Elucidate Goffman's contribution to sociological thought.

समाजशास्त्रीय विचारधारा के प्रति गॉफमैन के योगदान पर प्रकाश डालिए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

7. Describe the concept of neo-functionalism.

नव-प्रकार्यवाद की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

8. Explain how does Gidden's theory bridge the gap between agency and structure.

अभिकरण (एजेंसी) और संरचना के अन्तर को पूरा करने के लिए गिड्डिंस सिद्धान्त किस प्रकार सेतु का काम करता है। व्याख्या कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

9. Describe the bases of cultural diversity in India.

भारत में सांस्कृतिक विविधता के आधारों का वर्णन कीजिए।

10. Write a brief note on Ambedkar's theory of distributive justice.

अम्बेडकर के वितरण न्याय सिद्धांत पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

11. Describe the concept of domestic violence.

घरेलू हिंसा की संकल्पना का वर्णन कीजिए।

12. Explain what is meant by slum.

गंदी बस्ती से क्या तात्पर्य है? बयान करें?

Adda247

Adda247
GET IT ON Google Play

13. What is Cyber crime ? Explain.

साइबर अपराध क्या है? व्याख्या कीजिए।

14. Explain the relationship between tradition and modernity.

परंपरा एवं आधुनिकता के संबंधों को बताइए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

15. Comment on Indianisation of Sociology.

समाजशास्त्र के भारतीयकरण पर टिप्पणी कीजिए।

16. Describe Ghurye's indological perspective.

घुरिये के भारतीय विद्या परिप्रेक्ष्य का वर्णन कीजिए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

17. Explain the concept of gender.

लिंग की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

18. Describe different forms of environmental pollution.

पर्यावरण प्रदूषण के विभिन्न रूपों की चर्चा कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

19. Who is a juvenile delinquent ? Discuss.

युवा अपचारी कौन है ? चर्चा कीजिए।

20. Write a Sociological note on the concept of pluralism.

बहुलवाद की संकल्पना पर समाजशास्त्रीय दृष्टि से टिप्पणी लिखिए।

Adda247

Adda247 GET IT ON Google Play

SECTION - III

खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions from each of the electives / specialisations. The candidate has to choose only one elective / specialisation and answer all the five questions from it. Each question carries twelve (12) marks and is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में प्रत्येक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता से पाँच (5) प्रश्न हैं। अभ्यर्थी को केवल एक ऐच्छिक इकाई/विशेषज्ञता को चुनकर उसी में से पाँचों प्रश्नों का उत्तर देना है। प्रत्येक प्रश्न बारह (12) अंकों का है व उसका उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है।

(12x5=60 अंक)

Elective - I

विकल्प – I

Rural Sociology

ग्रामीण समाजशास्त्र

21. Critically evaluate the concept of Rurbanism.
ग्राम्यनगरीकरण की संकल्पना का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए।

22. "Is the Jajmani system an exploitative system" ? Justify your answer with examples.
''क्या जजमानी प्रथा शोषण प्रथा हैं? अपने उत्तर को उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

23. Has democratic decentralisation empowered the rural people ? Justify your answer.
ग्रामीण लोगों को लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण कैसे सशक्त करता है? अपने उत्तर का औचित्य बताइए।

24. Explain the concepts of Pauperisation and Depeasantisation.
कंगालीकरण तथा आ-कृषकीकरण की संकल्पना की व्याख्या कीजिए।

25. Discuss the impact of migration from rural to urban areas on village community.
ग्रामीण समुदाय का गाँवों से शहरी क्षेत्र में गमन के प्रभाव की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

Adda247 GET IT ON Google Play

Elective - II
विकल्प – II

Industry and Society
उद्योग एवं समाज

21. Define Alienation. Discuss how does Karl Marx view alienation in Capitalistic Society ?
अलगाव की परिभाषा दीजिए। कार्ल मार्क्स के अनुसार अलगाव पूंजीवादी समाज में कैसे होता है? चर्चा कीजिए।

22. Critically discuss the positive and negative impart of automation on society.
समाज पर स्वायत्तता की साकारात्मक और नाकारात्मक प्रभाव की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

23. Trace the history of Trade Union Movement in Pre and Post Independent India.
स्वतंत्रता के पूर्वार्द्ध और उतरार्द्ध भारत में श्रमिक संघ (ट्रेड यूनियन) आन्दोलन का इतिहास लिखिये।

24. Analytically describe the obstacles to Industrialisation in India.
भारत में औद्योगीकरण की बाधाओं का विश्लेषणात्मक वर्णन कीजिए।

25. What is Social Security ? Discuss in brief various Social Security measures taken by the Government of India for Industrial workers.
सामाजिक सुरक्षा क्या है? भारत सरकार द्वारा औद्योगिक श्रमिकों के लिए, लिये गए विभिन्न सामाजिक सुरक्षा मापदण्डों की संक्षेप में चर्चा करें।

Adda247

OR / अथवा

Elective - III
विकल्प – III

Sociology of Development
विकास का समाजशास्त्र

21. Human Development is as prerequisite to economic development in India. Comment :
भारत में आर्थिक विकास के लिए मानव विकास पूर्वापेक्षित है। टिप्पणी लिखिये।

22. Critically examine the centre-periphery theory of Frank in the context of under development.
अविकसित के संदर्भ में फ्रैंक के केंद्रीय-परिधीय सिद्धान्त (सैंटर-परिफरी थ्योरी) की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

Adda247 GET IT ON Google Play

23. Evaluate Gandhian approach to development ?

विकास की गाँधीवादी पद्धति का मूल्यांकन कीजिए।

24. Development programmes in rural India are resulting in greater socio-economic disparities. Discuss.

ग्रामीण भारत में विकास कार्यक्रम गंभीर सामाजिक आर्थिक असमानताओं में फलीभूत हो रहे है। चर्चा कीजिए।

25. Ethnic movements are the outcome of uneven development. Comment.

जातीय आंदोलन असमान विकास के परिणाम है। टिप्पणी कीजिए।

OR / अथवा

Elective - IV

विकल्प – IV

Population & Society

जनसंख्या एवं समाज

21. Analyse Malthusian theory of Population.

माल्थस के जनसंख्या सिद्धान्त का विश्लेषण कीजिए।

22. Discuss the various determinants of population.

जनसंख्या के विभिन्न निर्धारकों की चर्चा कीजिए।

23. What is the age and sex composition of India's population ? Discuss its consequences for the society.

भारत की जनसंख्या की आयु और लिंग रचना क्या है? समाज के लिए इनके परिणामों की चर्चा कीजिए।

24. Discuss the relationship between population growth and development.

जनसंख्या वृद्धि तथा विकास के संबंधों की चर्चा कीजिए।

25. Give a critical appraisal of Indian Population Policy.

भारतीय जनसंख्या नीति का आलोचनात्मक आकलन कीजिए।

OR / अथवा

Adda247 GET IT ON Google Play

Elective - V
विकल्प – V

Gender & Society
लिंग और समाज

21. 'Gender is a Social Construct'. Discuss.
'लिंग सामाजिक-रचना है'। चर्चा कीजिए।

22. Discuss gender inequality in both patriarchal and matriarchal societies.
पितृसत्ता और मातृसत्ता समाज में लिंग असमानता की चर्चा कीजिए।

23. Discuss post-modernist theory of gender relations.
लिंग संबंधों के उत्तर आधुनिकतावादी सिद्धान्त की चर्चा कीजिए।

24. Write a sociological note on empowerment of women.
महिलाओं के सशक्तीकरण पर समाज शास्त्रीय टिप्पणी लिखिए।

25. Discuss the contribution of voluntary sector towards women's development in India.
भारत में महिलाओं के विकास के लिए स्वैच्छिक क्षेत्र के योगदान की चर्चा कीजिए।

Adda247

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247 GET IT ON Google Play

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंको का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है। **(40x1=40 अंक)**

26. Discuss the relevance of sociology in the context of policy making and its implementation in India.

भारत में नीति निर्धारण एवं उसके कार्यान्वयन के संदर्भ में समाजशास्त्र की प्रासंगिकता की चर्चा कीजिए।

OR / अथवा

'Sustainable development is the solution for various contemporary developmental issues in India'. Comment.

भारत में स्थायी (सस्टेनएबल) विकास विभिन्न समकालीन विकास के मुद्दों का समाधान है। टिप्पणी कीजिए।

Adda247

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247

GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

Adda247
GET IT ON Google Play

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....